RAJYA SABHA

Monday, the $th December, 1969/
the 2^th AgrJiavana 1891 *[Saka)*

The House me at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN i 1 the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

RAILWAY WAGON RESERVATION

*$_{55}$6. SHRI M. P. BHARGAVA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a large number of railway wagons have been lying idle daily vith. the railways during the last four mi nths;

(b) whether i is a fact that goods traffic on the railways has lately gone down considerably; an<

(c) whether the rate of wagon reservation by various industries has considerably declined ?

THE DEPUI Y MINISTER IN THE MINISTRY Of RAILWAYS (SHRI ROHANLAL CHATURVEDI) : (a) Yes, Sir. About 10,0 0 wagons idled per day during August a\d September due to slack season. With he onset of busy season from October, these wagons have been progressively put to use and about 1,800 wagons are spare at present.

(b) No, Sir. During 1969-70 upto October, the Railways lifted 5.09 million to lies of extra 'evenue earning traffic as compared to I te corresponding period of last year.

(c) As the del 1a ids were met currently, the element of i (Ration in demands regis tered by the trade disappeared resulting in drop in the outstanding indents.

SHRI M. P. BHARGAVA : Sir, may I know from t le hon. Deputy Minister whether it is a fact that, while on the one side there are idle wagons, on the other side there are places where there is demand for supply of wagons for carrying goods and yet there they are not being giveri to them ? If th it is so, has the Minister made any survey to find out what are the reasons for such inefficiency in the Railways ?

SHRr ROHANLAL CHATURVEDI : Sir, as per our information the demands have been met to the entire satisfaction of the clients. But, as the hon. Member said there are only two Railways where there has been slight difficulty. They are the South Central Railway and the Northeast Frontier Railways Well, the reasons are obvious. The reasons in the South Central Railway are the breaches and the Telengana agitation, and the reasons in the Northeast Frontier Railway are the floods and the riverine difficulties.

SHRI M. P. BHARGAVA : May I know, Sir, from the hon. Deputy Minister whether the target fixed for the year for transport *ol:* goods by wagons has been reached, or it is much below the target? It is no use comparing with the last year's figures. The question is target fixed and whether the target has been reached or not. That is the point at issue.

SHRI ROHANLAL CHATURVEDI : Sir, we have not only reached the target this year but slightly exceeded it also.

SHRI A. D. MANI : Sir, referring to part (a) of the question the Minister made a statement about off-season, if I heard h'm correctly. May I ask him whether it is not a fact that the Railways have launched a programme of going out to solicit traffic? They are engaging agents for I his purpose. I would like to ask him what has been the result of the efforts of these agents to get traffic voluntarily and on the Railways' initiative.

SHRI ROHANLAL CHATURVEDI : Sir, we have a marketing and sales organisation set up recently, and it has brought the desired results, and it is because of this that vve have been able to induce the demands.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि यह हो सकता है कि स्लैक सीजन में यह विशेष बात आई हो, लेकिन क्या यह बात सच है कि रेलवे द्वारा भेजे जाने वाले कुल सीजनों में से प्रतिवर्ष आज जितनी मात्रा में गुड्स के डिब्बों में वृद्धि कर रहे हैं उसके अनुपात में माल ढोने को नहीं मिलता है । इसका मुख्य कारण यह है कि जो माल बुक करने वाले लोग हैं उनकी कुछ मौलिक शिकायतें हैं जिनकी तरफ अभी भी रेलवे मिनिस्ट्री ने ध्यान नहीं दिया है । ऐसे व्यापारी जो पूरे वैगनों में अपना माल नहीं

भेजते बल्कि कुछ आइटम्स ही भेजते हैं, 10 या 15 आइटेम्स भेजते हैं, तो इनमें से 10 तो पहुंच जाते है और पांच रह जाते ह । इसी कारण व्यापारियों में विशेषकर इस बात की शिकायत है कि रेलवे द्वारा सामान भेजने के बाद पूरा सामान जगह पर नहीं पहुंचता है और न ही इस बारे में कोई भरोसा ही है । तो इस आधार पर क्या हमारा गुडस ट्रैफिक प्रपोर्शनेटली घट रहा है ? अगर घट रहा है तो क्या सीजन के एस-पेक्ट्स के आधार पर इस बारे में इम्प्रूवमेंट करना, और ट्रैफिक को देखते हुए ही माल के डिब्बों को रेलवे पर बढ़ाने की कोशिश की जायेगी। क्या माननीय मंत्री जी का ध्यान इन दो बातों की ओर गया या नहीं ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : जहां तक आखिरी प्रश्न है, इसके संबंध में मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे यहां गुड्स ट्रैफिक घटा नहीं है ।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : प्रपोर्शनेट्ली ।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : प्रपोर्शनेट्ली भी नहीं घटा है । लेकिन जो दूसरा प्रश्न माननीय सदस्य ने छोटे व्यापारियों के बारे में पूछा है, हो सकता है इस बात में कुछ तत्व हो, लेकिन मैं निवेदन करूंगा कि अगर कोई ऐसी बात हो, तो उसको हम लोग जरूर देखेंगे कि किसी स्पैसिफिक जगह पर इस तरह की बात तो नहीं हो रही है । लेकिन हम लोग हमेशा इस बात की कोशिश करते हैं कि जो कोई भी शिकायत ट्रेडर्स की ओर से हो या जो कुछ भी उनकी डिमान्ड हो, उसको मीट करे और उनकी सेवा कर सके ।

श्री गुरुमुख सिंह मुसाफिर : मैं अपनी जानकारी से माननीय मंत्री जी से यह अर्ज करना चाहता हूं कि पंजाब में अमृतसर और लुधियाना, दो जगह ऐसी है जहां पर व्यापारियों को वैगन मिलने में दिक्कत महसूस होती है । अमृतसर तो कपड़े की एक भारी मन्डी है और लुधियाना में स्माल इंडस्ट्रीज बहुत है जहां पर तरह तरह का माल तैयार होता हैं और वहां के व्यापारियों को हमेशा इस बात की शिकायत रहती है कि उनको माल भेजने के लिए पूरे वैगन्स नहीं मिलते हैं । इसलिए वहां के व्यापारियों की तवज्जो रेलवे वैगनो की बजाय ट्रक्स की ओर हो रही है जिसके जरिये वे माल भेजना चाहते हैं । तो मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या उनकी तरफ से कोई शिकायत आई है और जिन जगहों का मैने अभी जिक्र किया है क्या वहां के व्यापारियों से पिछले 4 महीनों में इस तरह की कोई शिकायत आई है ? अगर इस तरह की कोई शिकायत उनकी तरफ से आई है, तो उसकी ओर आपने क्या क्या किया है और क्या अमृतसर और लुधियाना के व्यापारियों को वैगन देने के बारे में खास इंतजाम किय हैं या नहीं ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : जहां तक पिछले 4 महीनों से शिकायत का प्रश्न है, मैं इस बारे में ठीक से नहीं कह सकता हूं कि कोई शिकायत आई या नहीं । लेकिन अगर कोई हो, तो माननीय सदस्य बतला दें और हम उसको जरूर देखेंगे । जिस तरह की बात अभी माननीय सदस्य ने कही, कुछ जगहें ऐसी हो सकती है बिजी सीजन के टाइम में जहां पर वैगन्स की मांग ज्यादा रही हो और हम पूरी डिमान्ड को मीट न कर सके हों, लेकिन जो हमारा स्परेड ओवर ट्रैफिक है बिजी सीजन में और स्लैक सीजन में भी तो इन दोनों सीजनों में हम ज्यादा से ज्यादा ट्रैफिक कैरी कर सकते है । फिर भी माननीय सदस्य के पास कोई खास बात अमृतसर या लुधियाना के संबंध में हो, तो वे जरूर बतलायें और उस ओर जरूर ध्यान देंगे ।

श्री राजनारायण : श्रीमन्, मेरा एक प्वाइन्ट आफ आर्डर है । मैं आप से बहुत अदब के साथ अर्ज करूंगा कि क्या माननीय मंत्री जी का यह उत्तर ठीक है । सदन में जब यह सवाल पूछा जाता है तो क्या उसका उत्तर यह है कि पिछले 4 महीनों के बारे में मैंने देखा नहीं कि किन किन लोगों की शिकायत आई और किन लोगों की नहीं । मैं कुछ नहीं कह सकता हूं और अगर कोई ऐसी बात हो मेम्बर की जानकारी में, तो वे लिखकर भेज दें और मैं उस पर जरूर कार्यवाही करूंगा । श्रीमन्, मैं अदब के साथ कह रहा हूं कि आप खुद सोचें । मैं श्री चतुर्वेदी जी की बड़ी इज्जत करता हूं और

कहना चाहता हूं कि क्या यही उत्तर देने का तरीका है ।

श्री सभापति : आप को अगर कुछ और कहना है तो कह दीजिये If you like to add to your answers to the supplementary, you may do so.

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : माननीय सदस्य श्री राजनारायण जी ने जो प्रश्न उठाया मेरे प्रश्न के उत्तर में जो कि श्री मुसाफिर जी ने पूछा था । श्री मुसाफिर जी ने पूछा था कि 4 महीनों से लोगों की कोई कम्पलेंट्स आई या नहीं तो मैंने उत्तर दिया कि मेरी जानकारी में कोई नहीं है । मैं इस के अलावा क्या कह सकता था यह माननीय सदस्य खुद सोच सकते हैं । मैंने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि अगर कोई शिकायत हो तो हमें जरूर लिखें और हम उसको जरूर देखेंगे ।

श्री राजनारायण : अगर मंत्री जी आश्वासन न भी दें, तो भी हम लिख सकते हैं और लिखते ही रहते हैं ।

SHRI KAL\ \N ROY : Would the Railway Miirst r kindly say whether it is not a Fact t iai the three employers' organisations of coal mines, namely, the Indian Mining Association, the Indian Colliery Owners' Association and the Indian Mining Federation, recently met and complained about the grossly Inadequate supply of wagons to ihr coal mines, particularly in he Raniganj and Jharia area, as a result of which they find that coal is accumnl: ling at the pitheads and the supply is so irregular and inadequate that it is leadin f to all sorts of problems for the consul tens particularly in the northern India and southern India and creating anom dies because of this irregular systei i of distribution of wagons ?

Secondly, is it not a*fact that they have also represented to the Railway Ministry that whatever lias been decided, that is. <joo wagons pei day, in the Fourth Five Year Plan is inadequate to lift thr coal which is going to be produced from the mines in India ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : जहां तक पहले प्रश्न का सम्बन्ध है, मुगलसराय के आगे हम लोग 2300 वैगन पर डे से ज्यादा मूव नहीं कर सकते कोल ट्रैफिक के, लेकिन फिर भी 2500 वैगन यानी 200 वैगन ज्यादा मूव कर रहे हैं। यह सेच्योरेटेड केपेसिटी है । फिर भी कोई डिफी-कल्टी हो तो बताएं हम देख लेंगे । हमारी डिफी-कल्टी यह है कि हम उस बोटिलनेक से एक लिमिट से ज्यादा मूव नहीं कर सकते, 2300 वैगन केपेसिटी है, 200 ज्यादा मूव कर रहे हैं ।

SHRI KALYAN ROY : Sir, I ask your protection. I asked a definite question whether it is a fact the Railway Ministry has received a representation from the coal mine owners that the supply of wagons for transport of coal is absolutely inadequate and he has not replied to that. He said that they had reached the saturation point and all that but after all he has to answer the point specifically.

SHRI ROHANLAL CHATURVEDI : The thing is, it follows from that. When I said . . .

MR. CHAIRMAN : He wants to know whether you have received a representation.

SHRI ROHANLAL CHATURVEDI : As for the representation mentioned by the hon. Member I have no information at present.

श्री एस० डी० मिश्र : मैं यह जानना चाहता हूं, श्रीमन्, कि क्या मंत्रालय को और माननीय मंत्री जी को यह मालूम है कि इस समय रेलवे यातायात को, गुड्स यातायात को, ट्रक ट्रांसपोर्ट से बड़े कम्पीटीशन का सामना करना पड़ रहा है और ट्रक ट्रांसपोर्ट बहुत पापुलर है ? क्या यह बात सही नहीं है कि जब रेलवे में माल बुक कराने जाते हैं तो पैसे मांगते हैं, माल की डिलीवरी लेने जाते हैं तो पैसे मांगते हैं और माल की डिलीवरी लेते हैं तो आधा माल मिलता है ?

दूसरी बात यह है कि जिस प्रकार ट्रक्स में होम डिलीवरी सिस्टम किया गया है, क्यों नहीं रलवे मंत्रालय भी होम डिलीवरी सिस्टम शुरू करता । आपका एक क्विक ट्रांसपोर्ट आर्गेनाइजेशन है, जिसको क्यू० टी० ओ० भी कहा जाता है, जिसने गारन्टी की कि पर्टीक्युलर डट पर बुकिंग कराने से 4-5 दिन में माल कलकत्ता, बम्बई पहुंच जायगा । क्या यह सही नहीं है कि लोगों के माल नहीं पहुंचे

हैं और गारन्टी देने पर भी रेलवे मंत्रालय ने कोई इनडेमिनिटी नहीं दी, डेमेजेज नहीं दिए ? तो फिर वह किस तरह से पापुलर हो सकता है ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : जहां तक माननीय सदस्य के पहले प्रश्न का सम्बन्ध है, मैं उसके बारे में कुछ कहना नहीं चाहता, यह तो एक नेशनल करेक्टर की बात है . . .

श्री ए० पी० जैन : ऐसा न कहो ।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : कोई पैसा देता है या नहीं, इसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता हूं ।

श्री एस० डी० मिश्र : शिकायतें आती हैं या नहीं ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : रोज सुनते हैं हम और आप । हमारे पास लिखित शिकायतें नहीं हैं । इस बारे में मैं कुछ कहना नहीं चाहता हूं । *{Interruptions)* एक बात मैं जरूर कहूंगा कि हम लोग पूरी कोशिश करते हैं कि जहां ऐसी शिकायतें आती हैं वहां उनकी जांच हो और सख्त कार्यवाही हो । इसमें सन्देह नहीं कि इसमें हम लोगों ने कुछ तरक्की पाई है । मैं यह नहीं कहता कि यह चीज दूर हो जायेगी या हाल में दूर हो जाने वाली है लेकिन हम लोग इस तरफ काफी प्रयत्नशील हैं और इसको रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री एस० डी० मिश्र : होम डिलीवरी और क्विक ट्रांसपोर्ट आर्गेनाइजेशन के बारे में क्या जवाब है ?

श्री राजनारायण : उसमें भी तरक्की पाई है, अब कोई आवश्यकता नहीं है जवाब देने की ।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : होम डिलीवरी के सम्बन्ध में माननीय सदस्य को मालूम है कि हम लोगों ने कन्टेनर सिस्टम चालू किया है और वह फैक्ट्री एरिया से या जहां कहीं भी माल बनाते हैं वहां से बिलकुल होम डिलीवरी की तरह है । कन्टेनराइजेशन काफी पापुलर हो रहा है, मांग भी है कि हम उसको आगे बढ़ावें ।

श्री राजनारायण : उसमें तरक्की भी है ।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : माननीय सदस्य भी कह रहे हैं कि इसमें तरक्की है, यह देखने की चीज है । जहां तक होम डिलीवरी का सवाल है, वह अभी हमारे यहां नहीं है; कन्टेनर सिस्टम को ही और बढ़ायें, यही विचार है ।

COMMITTEE ON UNECONOMIC BRANCH LINES

*557. SHRI R. P. KHAITAN : Wil I the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) the number of meetings held so far by the Committee appointed by Govern ment to go into the working of uneconomic branch lines of the Indian Railways; and

(b) the recommendations/suggestions, made by the Committee?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI ROHANLAL CHATURVEDI) : (a) Nineteen meetings have been held.

(b) The Committee's report will be submitted in a day or two. I may just add here that it is being sub mitted this afternoon to the Government.

श्री आर० पी० खैतान : क्या माननीय मंत्री जी बताएंगे कि इसमें खास रिपोर्ट क्या है ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : अभी आई नहीं, आज गवर्नमेंट को सबमिट की जायगी ।

SHRI P. CHETIA : Would the Government place a copy of the Report before the House?

SHRI ROHANLAL CHATURVEDI : After the Government has examined the Report, it is for the Government to decide.

श्री राजनारायण : मैं एक स्पष्टीकरण चाहूंगा । इसमें प्रश्न है कि 'सरकार ने भारतीय रेलों की अलाभकर ब्रांच लाइनों के कार्यकरण की जांच करने के लिए जो समिति नियुक्त की थी . .'। भारतीय रेलों के अन्तर्गत सरकारी रेलें और निजी रेलें दोनों आती हैं, तो सरकार ने क्या दोनों की जांच कराई है या जो सरकार के पास हैं उन्हीं